संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
अपनी भाषा में बातचीत तथा चर्चा करने के अवसर हों ।
जीवन से जोड़कर विषय को समझने के अवसर हों।
प्रयोग की जाने वाली भाषा की बारीकियों पर चर्चा के अवसर हों ।
समूह में कार्य करने और एक दूसरे के कार्यों पर चर्चा करने, राय लेने-देने, प्रश्न करने की स्वतंत्रता हो।
हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने-लिखने की सुविधा (ब्रेल/सांकेतिक रूप में भी) और उन पर बातचीत की आज़ादी हो।
अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हों ।
अपनी भाषा गढ़ते हुए लिखने सम्बन्धी गतिविधियाँ हो, जैसे -शब्दखेल, अनौपचारिक पत्र, तुकबंदियाँ , पहेलियाँ, संस्मरण आदि ।
सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, अख़बार, पत्रिकाएँ, फ़िल्म और ऑडीओ-विडीयो सामग्री को देखने, सुनने, पढ़ने, और लिख कर अभिव्यक्त करने की गतिविधियाँ हों।
कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे - अभिनय, रोले -प्ले, कविता, पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों और उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर हों ।

संलग्नक ॥
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 8 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे - पाठ्य पुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।
हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद - नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ परिचर्चा करते हैं ।
अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं ।
पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं।
विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे-जाति, धर्म,रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।

किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं जैसे-अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं-रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती?
विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज,संस्मरण,निबंध, व्यंग आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारी की से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाकर, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।
पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं ।
विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को के अर्थ समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।
विभिन्न पठन सामग्रियों में को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।
किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठीया शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे - शब्दकोश, मानचित्र, इंटर्नेटया अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं ।
अपने पाठक और लिखने के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।
भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पदबंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग।
विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं, जैसे - अपनी गाँव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह तरह के कार्य करने वालों की बातचीत ।
हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं जैसे विभिन्न तरीक़ों से कहानी,कविता, निबंध,अनुभव आदि लिखना।
दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीक़े से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे सोशल मीडिया पर नोट्बुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।
विविधकलाओं, जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे - कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।
अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपण को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे - कविता, कहानी, निबंध आदि ।
पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।

संलग्नक III			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा-8- हिंदी विषय सी. बी. एस. ई . द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ - 1	**विषय पूर्ण किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ-1-ध्वनि	श्रवण कौशल का विकास	विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका द्वारा कविता को पढ़कर समझाया जाएगा । कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के सभी पदों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगे ।जैसे - कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत कभी नहीं आएगा ? आदि ।	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं । विविध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनी भाषा तथा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं (जैसे -ध्वनि के बारे में)जानकारी के लिए प्रश्न पूछते हैं और अपने अनुभवों को साझा कराते हैं ।
		पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	कक्षा में चर्चा की जाएगी कि प्रकृति में किस -किस की ध्वनि आप सुनते हैं व उनमें क्या अंतर है ? कवि फूलों के अनंत तक विकसित करने के लिए क्या प्रयास करता है ? जिससे वाचन कौशल का विकास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	शब्दार्थ - मृदुल , निद्रित ,प्रत्युस आदि । कक्षा में बच्चों से कविता का क्रमानुसार पठन करवाया जाएगा ,जिससे उनके सही उच्चारण का अभ्यास होगा । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए	

		पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द विकास कौशल	कविता के अंत में कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानकर बच्चे कम से कम आठ -दस शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होंगे । जैसे - तंद्रालय , पात ,गात आदि	

	मूल्यांकन	कविता सुनकर ,दस नए शब्दों का श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा । लालसा , स्वप्न , सहर्ष , डालियाँ आदि ।	
	नैतिक मूल्य	मधुर ध्वनि व कर्कश ध्वनि में क्या अंतर महसूस करते हैं इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जा सकती है । शिक्षिका द्वारा ध्वनि की मधुरता , मधुर ध्वनि से आपसी संबंध , एक मधुर ध्वनि से दुखी मन में सुख को महसूस करना आदि नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा । जीवन में आलस्य त्यागकर , आशापूर्ण व खुशी से जीवन जीने की प्रेरणा ।	

पाठ -2	विषय पूर्ण किये गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
लाख की चूड़ियाँ	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	विवध कलाओं, जैसे - हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वालू भाषा (रेजिस्टर) का सरुजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे - कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।

	वाचन कौशल का विकास	लाख क्या होती है? विषय पर चर्चा करते हुए कक्षा में छात्रों से क्रमानुसार पाठ का वाचन करवाया जाएगा व समझाया जाएगा । तत्पश्चात कठिन पाँच -पाँच शब्दों के अर्थ का वाचन करवाया जाएगा ।	
	पठन कौशल का विकास	पाठ के वाचन के तदुपरान्त लेखक और बदलू के संबंध में चर्चा करते हुए बदलते परिवेश से अवगत कराया जाएगा । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द विकास कौशल	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगें	
	मूल्यांकन	पाठ पढाने के बाद लाख की वस्तुओं का निर्माण किन -किन राज्यों में होता है ? लाख से और कौन -कौन सी वस्तुएँ बनती हैं ?इस बारे में बच्चों से पूछकर मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	मेहनत से काम करने का सम्मान व उससे प्राप्त उपहार , एक दूसरे की भावनाओं को समझना , दुखों को अनुभव करना आदि नैतिक मूल्यों से प्रेरित करना है ।	

पाठ -3	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-3- बस की यात्रा	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड । दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं।

	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से विद्यार्थी को जोड़ा जाएगा । शिक्षिका छात्रों से क्रमानुसार वाचन करवाएँगी । प्रचलित चार -चार शब्दों का उच्चारण अभ्यास करवाया जाएगा बच्चे उसका अभ्यास आसानी से कर सकते हैं ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे।विद्यार्थियों अपनी - अपनी यात्रा वर्णन के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द विकास कौशल	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगें जैसे - निमित्त , इत्तेफाक , बियाबान, अंतेयष्टि आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा संस्मरण ;रेखाचित्र लेखन पर लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से।जैसे - कहाँ पहुँचकर टायर फटा ? प्रश्नोत्तरी - लेखक के मन में बस के प्रति श्रद्धा क्यों उमड़ी ?	
	नैतिक मूल्य	ग्रामीण व शहरी संस्कृति में की आवश्यकता ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है । मुसीबत में बुद्धि से काम लेना ।	

पाठ-4	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-4-दीवानों की हस्ती	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना	कविता पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शलियों को पहचानते है जैसे - वर्णात्मक , विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि ।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा । सच्चे मित्र की कुछ अन्य कविता के माध्यम से छात्रों को पाठ से जोड़ा जाएगा । कविता का सस्वर वाचन करवाया जाएगा । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगें जैसे- भिखमगों , उल्लास , घूंट आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा- मित्रता के कुछ दोहों पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - कविता में ऐसी कौन -सी बात आपको अच्छी लगी ?	
	नैतिक मूल्य - सामाजिक परिवेश	विद्यार्थियों द्वारा जीवन में सबको खुश रखने के महत्त्व की जानकारी पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है ।	

पाठ - 5	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	श्रवण कौशल का विकास वाचन कौशल का विकास	• पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। • दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना • ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा के प्रत्येक छात्र पाठ के एक -एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे। • पाठ का क्रमानुसार वाचन करेंगे।	विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दसूरों की बातों को अपने ढंग से लि खते हैं, जैसे- स्कूल के कि सी कार्यक्रम की रिपोर्ट बनाना या फिर अपने गाँव के मेले के दुकानदारों से बातचीत।
	पठन कौशल का विकास	• समूह में बैठे निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। • पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगें | जैसे - सहजते , ठिकानों , अहमियत , हरकारे आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: कक्षा चर्चा पत्र लेखन पर । लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका क्या है ?	
	नैतिक मूल्य - संचार प्रणाली	विद्यार्थियों द्वारा पत्र संस्कृति की जानकारी देना । सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है ।	
		मनुष्य को जीवन मस्त व बेफिक्र होकर जीना चाहिए । दूसरों के जीवन में सदैव खुशियाँ फैलाना ।	

पाठ - 6	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षा के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-6 भगवान के डाकिये (कविता)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड। दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे - पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों परलिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा । कविता का एक -एक पद कक्षा में प्रत्येक छात्र से वाचन करवाया जाएगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थियों से निर्धारित अंश का पठन करवाया जाएगा । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे किंही चार शब्दों के पर्यायवाची शब्द व नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानने में सक्षम होंगे | जैसे - बाँचना, आँकना, पांख आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा आधुनिक युग के संदेशों के माध्यम के बारे में लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से।जैसे - भगवान के डाकिये कौन हैं ? प्रश्नोत्तरी - पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन - कौन पढ़ पाता है ?	
	नैतिक मूल्य जटिल अन्वेषण-पर्यावरण की जानकारी।	प्राकृतिक उपादानों के माध्यम से प्रेम , समानता , विश्व -बंधुत्व , एकता और भाईचारे की भावना । पक्षियों व बादलों को भगवान का दूत यानि डाकिया मानना । बेजुबानों की भाषा समझना ।	

		विद्यार्थियों द्वारा भगवान को भेजे संदेश वाहकों की जानकारी पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है ।	

पाठ - 7	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7-क्या निराश हुआ जाए	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना ।	हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद - नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा । वाचन कौशल के विकास के लिए पाठ का एक -एक पैराग्राफ का वाचन करवाया जाएगा । कक्षा में छात्र पाठ का क्रमानुसार वाचन करेंगे । कठिन शब्दों का उच्चारण करेंगे ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पाठन करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	

	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कौशल का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेगें | धर्मभीरू , पर्दाफ़ाश , गंतव्य आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा देश की राज नैतिक गतिविधियों व भ्रष्टाचार पर लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से।जैसे- तिलक व गाँधीजी ने कैसे भारत का सपना देखा था ? प्रश्नोत्तरी - "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल - फूल रहे हैं । " लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?	

	नैतिक मूल्य -सकारात्मक सोच	विद्यार्थियों द्वारा मेहनत तथा ईमानदारी के महत्ता की जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है । समाज में फैले भ्रष्टाचार को देखकर मनुष्य को निराश नहीं होना चाहिए। निरंतर आशा का दामन थामे आगे कदम रखना चाहिए।	

पाठ - 8	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8-यह सबसे कठिन समय	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से कविता को सुगम बनाया जाएगा । दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे-जाति, धर्म,रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे-अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके पर बातचीत करना।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को वाचन कौशल विकास के लिए जोड़ा जाएगा। कक्षा में क्रमानुसार कविता का एक -एक पद सस्वर वाचन करवाया जाएगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। कविता पढ़ने व शब्दों को उच्चारित करने का अभ्यास । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा	

		लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे | स्टेशन , गंतव्य , तमाम आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - भारतीय संस्कृति पर। लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से।व श्रुतलेख द्वारा छात्रों का मूल्यांकन - चिड़िया , चोंच , प्रतीक्षा , तिनका आदि ।	

		प्रश्नोत्तरी - चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है ?	
	नैतिक मूल्य	जीवन में आने वाले कठिन समय को भी सहजता से स्वीकार कर लेना चाहिए व उसका डटकर मुक़ाबला करने जैसे नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ -9	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-9 कबीर की सखियाँ	श्रवण कौशल का विकास	विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका द्वारा साखियों का अर्थ व कबीर दास जी ने किस तरह कम शब्दों में ज़्यादा अर्थ समझाया है , श्रवण कौशल के विकास के लिए यह समझाया जाएगा पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड, कबीर के अन्य दोहों की सीडी| पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे।	अपने परिवेश में मौजूद लोक-कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं ।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण दोहों वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा का प्रत्येक छात्र सस्वर दोहों का गायन करेंगे जिससे छात्रों की वाचन कौशल क्षमता बढ़े । क्षेत्रीय भाषा परिवर्तन से वर्तनी व उच्चारण का अभ्यास चार-चार शब्दों से करवाया जाएगा ।	

	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे | जैसे - म्यान , गारी , दहूँ, दिसि आदि	

	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - अन्य दोहों की जाएगी । लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी -'तलवार का महत्त्व होता है म्यान का नहीं ' उदाहरण द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं ?	
	नैतिक मूल्य	समाज में फैली भ्रांतियों पर प्रकाश डालने जैसे नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा । मनुष्य को अहंकार कभी नहीं करना चाहिए । हर एक छोटी से छोटी चीज की एहमियत समझना ।	

पाठ - 10	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ- 10 कामचोर	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	अपने पाठक और लिखने के उद्देश्यों को ध्यान मैं रखते हुए अपनी बातों को प्रभावी ढंग से लिखते है।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा में छात्र क्रमानुसार पाठ का एक - एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे ,छात्रों की वाचन कौशलता बढ़ेगी ।	

	पठन कौशल का विकास	पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे |जैसे - दबैल , तनख्वाह , दड़बा तरकारी आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा - लेखक के जीवन व अन्य रचनाओं पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से।	

		प्रश्न - घमासान युद्ध कहाँ हो रहा था ? प्रश्नोत्तरी - कामचोर कहानी का क्या संदेश है ?	
	नैतिक मूल्य - योजनाबद्ध क्रियान्वयन	विद्यार्थियों द्वारा पारिवारिक सदस्यों के कार्य की उपयोगिता की तुलनात्मक जानकारी सहभागिता के माध्यम से प्राप्त करना। जीवन में काम करने की आवश्यकता ,एकल व संयुक्त परिवार की महत्त्वता को समझाकर नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ - 11	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-11 जब सिनेमा ने बोलना सीखा	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से श्रवण कौशल क्षमता विकसित की जाएगी । दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीके और शैलियों का प्रयोग करते हैं जैसे-तरीकों से (कहानी,कविता,निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना ।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा के सभी छात्र पाठ के एक -एक पैराग्राफ का वाचन करेंगे । कठिन शब्दों के उच्चारण द्वारा वाचन कौशल अभ्यास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे।	

		विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	सिनेमा का उद्भव विकास के बारे में छात्र लिखेंगे जिसके माध्यम से छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा । पाठ के अंत में छात्रों को पाठ में आए पाँच -पाँच उपसर्ग व प्रत्यय छाँटकर लिखने को दिया जाएगा । ● एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। ● पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। ● मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। ● अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे । जैसे - पटकथा , संवाद , किरदार आदि ।	

	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: कक्षा में छात्रों से अभिनय करवाना । चर्चा- लेखक की अन्य रचनाओं पर । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। जैसे - पहला बोलता सिनेमा बनाने के लिए फ़िल्मकार अर्देशियर एम . ईरानी को प्रेरणा कहाँ से मिली ?	
	नैतिक मूल्य - जटिल अन्वेषण (भारतीय समाजिक व्यवस्था)	विद्यार्थियों अपने जीवन में मनोरंजन के स्रोतों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे । कला की महत्त्वता समझना । नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ - 12	विषय कवर किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 12 सुदामा चरित(कविता)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड ki दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	भाषा की बारीकियों/व्यवस्था तथा नए शब्दों का प्रयोग करते हैं, जैसे - किसी कविता में प्रयुक्त शब्द विशेष, पद बंध का प्रयोग - आप बढ़ते हैं तो बढ़ते ही चले जाते हैं या जल रेल जैसे प्रयोग।

	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा में छात्रों से क्रमानुसार एक - एक पद का वाचन करवाया जाएगा ।	दैनिक जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति पर विभिन्न तरीक़े से सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं, जैसे सोशल मीडिया पर नोट्बुक पर या संपादक के नाम पत्र आदि।
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। विद्यार्थियों को कवि की अन्य कविताओं के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना ही पठन कौशल का विकास करना है । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	सुदामा चरित के दोहे कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा । पाठ के अंत में छात्र पाँच -पाँच प्रचलित शब्दों के लेखन अभ्यास से अवगत होंगे । • एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे।	

		• मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगें | जैसे - पगा , झँगा , आहि , लटी , दुपटी द्विज आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा- कवि की अन्य रचनाओं की । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - सुदामा की दीन-दशा देखकर श्रीकृष्ण जी की क्या मनोदशा हुई ?	
	नैतिक मूल्य	विद्यार्थियों द्वारा सच्चे मित्र के व्यवहार की मानव-जीवन में उपयोगिता की जानकारी देते हुए छात्रों के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा । पारस्परिक सहभागिता के माध्यम से प्राप्त कराना।	

पाठ - 13	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 13 जहाँ पहिया है(रिपोर्ताज)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड। दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उनपर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक या ब्रेल भाषा भाषा में बताते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। प्रत्येक छात्र से दस कठिन शब्दों का उच्चारण करवाया जाएगा जिससे छात्रों में वाचन कौशल का विकास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	पठन कौशल का विकास के लिए छात्रों से पाठ का एक -एक पैराग्राफ पढ़वाया जाएगा । समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	संवाद लेखन कक्षा में छात्र लिखेंगे जिसके द्वारा छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा । | पाठ के अंत में पाठ में आए पाँच - पाँच उपसर्ग व प्रत्यय शब्द का लेखन अभ्यास करने में सक्षम होंगे ।	

		• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे| जैसे - फब्ती , यकीन , घिसीपीटी आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: | चर्चा संस्मरण,रिपोतार्ज लेखन की| लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी -प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन - कौन सी बाधा आई ?	
	नैतिक मूल्य	समाज में स्वयं के लिए बराबरी का दर्जा पाने के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा । महिलाओं में आत्मनिर्भरता व आत्मसम्मान की भावना नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ - 14	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-14 अकबरी लोटा(कहानी)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड दृश्य श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	किसी रचना को पढ़कर उसके सामाजिक मूल्यों पर चर्चा करते हैं। उसके कारण जानने की कोशिश करते हैं जैसे-अपने आस-पास रहने वाले परिवारों और उनके रहन-सहन पर सोचते हुए प्रश्न करते हैं-रामू काका की बेटी स्कूल क्यों नहीं जाती? हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार-पत्र/पत्रिका, कहानी, जानकारिपरक सामग्री, इंटर्नेट पर प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा।वाचन कौशल विकास के लिए कक्षा में क्रमानुसार कहानी का एक - एक पैराग्राफ का वाचन करवाया जाएगा जिससे छात्रों का वाचन कौशल में विकास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	हास्य व्यंग्य रचना विषय में कक्षा में लिखित अनुच्छेद द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जाना जाएगा । पाठ के अंत में छात्र दस कठिन शब्दों का श्रुतलेख देने में सक्षम होंगे ।	

		• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे । जैसे - अदब , मुँडेर , ईजाद , तन्मयता अन्तर्धान आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना।: चर्चा अकबर बीरबल की कहानियों पर। लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी-बिलवासी जी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था ?	
	नैतिक मूल्य	बौद्धिक क्षमता का विकास-सही वक्त पर सही समझ का उपयोग कितना जरूरी है ।नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना । सच्चे मित्र की पहचान ही नैतिक मूल्य पर विशेष बल देना है ।	

पाठ - 15	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 15 -सूर के पद (कविता)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड। दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपण को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे - कविता, कहानी, निबंध आदि । विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को के अर्थ समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। कक्षा में वाचन कौशल के विकास हेतु छात्रों से क्रमानुसार एक - एक पद का वाचन करवाया जाएगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए एक -एक पद का पठन करवाया जाएगा । प्रश्न पूछे जाएँगे । पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व विषय पर कक्षा में छात्रों से एक पैराग्राफ लिखवाया जाएगा जिससे छात्रों में लेखन कौशल का विकास होगा ।	

		पाठ के अंत में - पद में आए चार -चार शब्दों के पर्यायवाची व विलोम शब्द लिखने में सक्षम होंगे - जैसे - चंद्रमा , मधुकर , सूर्य विलोम - दिन , श्वेत ,शीत आदि । • एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे । जैसे -अजहूँ, काढ़त , गुहत पैठि , गोरस आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: परिचर्चा अन्य कविता व निबंध लेखन पर। लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से।जैसे - सूरदास जी ने अपने पद में किसके बालपन का वर्णन किया है ?	

		प्रश्नोत्तरी - कृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए ?	
	नैतिक मूल्य	बाल-कृष्ण की लीलाओं द्वारा बचपन की शरारतों से परिचय कराते हुए - नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा । विद्यार्थियों को सूरदास जी के पद पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराते हुए नैतिक मूल्यों से अवगत कराया जाएगा।	

पाठ - 16	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ -16 पानी की कहानी	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड । दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	किसी पाठ्य वस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे - शब्दकोश मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं । अपने पाठक और लिखने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण पाठ वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा।जिससे वाचन कौशल का विकास होगा । पाठ का एक - एक पैराग्राफ प्रत्येक छात्र से वाचन करवाया जाएगा । जैसे - साँसत, वर्णनातीत , अगुआ आदि ।	

		पाँच -पाँच नए शब्दों का वाचन द्वारा उच्चारण का अभ्यास करवाया जाएगा ।	अपनी बात को प्रभावी तरीके से लिखते हैं।
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	जल का संरक्षण विषय पर कक्षा में छात्र अनुच्छेद 50 से 60 शब्दों में लिखेंगे जिससे छात्रों के लेखन कौशल का विकास होगा । पाठ के अंत में छात्र पाठ में आए- पाँच -पाँच क्रिया व कारक शब्दों के उदाहरण लिखने में सक्षम होंगे । • एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	

	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे । जैसे - साँसत , वर्णनातीत, ऑक्सीज़न व हाइड्रोजन आदि	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा -जल के संचय पर,जल बनाने की प्रक्रिया पर चर्चा कर छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा । लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - लेखक को ओस की बूँद कहाँ मिली ?	
	नैतिक मूल्य	पानी की उत्पत्ति व संरचना से परिचय। जल है तो कल है - के महत्त्व को समझना । जल के जीवन की कठिनाइयों से अवगत कराना है । जल की महत्त्वता को समझना ही - नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ - 17	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ -बाज और साँप (कहानी)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। श्रवण कौशल का विकास होगा । पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड की सहायता से , बाज़ की उड़ते समय की वीडियो द्वारा विषय को सरल बनाया जाएगा ।	विभिन्न प्रकार की सामग्री, जैसे कहानी, कविता, लेख, रेपोर्तज, संस्मरण , निबंध, व्यंग आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाना , विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।

		दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना।	
	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। पाठ में आए दस - दस कठिन शब्दों को उच्चारण करने का अभ्यास कर वाचन कौशल का विकास होगा ।	
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	

	शब्द कोश का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे । जैसे - आक्रोश ,शिखर ,खोखल , सिटपिटाना आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा । अन्य कविता व निबंध लेखन पर चर्चा कर मूल्यांकन किया जाएगा । लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गया ?	
	नैतिक मूल्य	कहानी के माध्यम से बताया गया है कि किस तरह से हर प्राणी अपने स्वभाव के कारण अलग - अलग व्यवहार करता है । साहस द्वारा जीवन की कठिनाइयों का सामना करना आदि के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	

पाठ - 18	विषय पूर्ण किये गये	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-18-टोपी (कहानी)	श्रवण कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित पांच छह प्रश्नों के मौखिक उत्तर पांच छह वाक्यों जो लगभग 70 से 80 शब्दों के हों देने में समर्थ होंगे। पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड आदि के माध्यम से टोपी कहानी को सुगम बनाया जाएगा । दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना। श्रवण कौशल का विकास होगा ।	विभिन्न पठन सामग्रियों में को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं।

	वाचन कौशल का विकास	ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा। बच्चों को विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त करने को दिया जाएगा । दस प्रचलित शब्दों के प्रयोग से वाचन कौशल का विकास - मुलुक , खमा , मजूरी , मल्लार आदि ।	पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंश का पठन करेंगे। पाठ के अंत में विद्यार्थी शुद्ध उच्चारण करते हुए पाठ में आए कम से कम दस वाक्य(६० से ७० शब्दों वाले) अथवा लगभग इतने ही शब्दों वाले अनुच्छेद/पद /कविता आदि धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	• एक 50-60 शब्दों वाला अनुच्छेद पाठ का अर्थ व्यक्त करते हुए अथवा उस पर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए लिख पाने में सक्षम होंगे। • पाठ में आये विषय पर 50-60 शब्दों में प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • मित्र के लेखन 50-60 शब्दों में पर प्रतिक्रिया लिख पाने में सक्षम होंगे। • अपने लेखन को संपादित करने के लिए साथी और शिक्षक की प्रतिक्रिया का उपयोग कर पाने में सक्षम होंगे।	
	शब्दकोष का विकास	पाठ के अंत में छात्र ,आठ दस नए शब्दों का का अर्थ जानकर उसे अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे ।	

		जैसे - लटजीरा, सरापा , फकत, मुलुक आदि ।	
	मूल्यांकन	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: चर्चा अन्य कविता व निबंध लेखन पर। लघुप्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी - गवरइया की टोपी पर दर्ज़ी ने पाँच फुंदने क्यों जड़ दिए ।	
	नैतिक मूल्य	दैनिक जीवन से संबंधित आंतरिक भावों को समझने का प्रयास करना। विद्यार्थियों को टोपी कहानी के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना। नन्ही सी गौरैया के माध्यम से सम्पूर्ण मानव जाति को प्रेरित करने के नैतिक मूल्य पर विशेष बल दिया जाएगा ।	